साधकों की दैनिक आवश्यकताओं के अनुसार कुछ अति विशिष्ट मंत्र :-

यंहा मैं कुछ ऐसे मंत्रों का प्रस्तुतिकरण कर रहा हूॅ, जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है, यह एक सार्वभौमिक सत्य है। उन्हीं घटनाओं के समाधान के लिए ये मंत्र प्रस्तुत हैं।

डायबिटिज के लिए मंत्र

1. हुं ।

इस मंत्र को बोलते हुए कपालभाति करने से मधुमेह रोग से छुटकारा मिलता है।

2. ॐ हूं क्रां क्रां रं स्वाहा।(अपनी नाभि के पास ध्यान रखते हुए इस मंत्र का सुबह-शाम जप करने से मधुमेह रोग दूर होता है) ।

शत्रु को वश में करने हेतु

DR.RUPNATHJI(DR.RUPAK NATH)

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं ब्लूं ऐं नमः स्वाहा ।

भय नाश के लिए मंत्र

ॐ सं क्षं हंसः ह्रीं ॐ फट् ।

बेचैनी का नाश करने के लिए मंत्र

ॐ क्लीं ह्रीं ऐं ।

शान्ति-प्राप्ति के लिए मंत्र

ॐ भ्रौं श्रौं शांतिकरायै शं नमः ।

परिवार में प्रेम-वृद्धि हेतु मंत्र

ॐ ह्रीं ह्रीं सौः ॐ फट् ।

असफलता के नाश हेतु मंत्र

DR.RUPNATHJI(DR.RUPAK NATH)

ॐ ह्रीं क्लीं नित्य अच्युतेश्वराय नमः ।(इस मंत्र का उच्चारण करते समय अपने आज्ञा-चक्र अर्थात त्रिकुटि पर ध्यान करें)।

सर्वत्र विजय-प्राप्ति हेतु

ॐ ह्रीं क्रौं क्लीं स्वाहा । (अपने घर में त्रिशूल रखें और भगवान शिव का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जप करें)।

विद्या-प्राप्ति हेतु मंत्र

ॐ ह्रीं भवास विद्यां देहि ऐं ॐ। (इस मंत्र का जप प्रातः और संध्या काल में करें)।

DR.RUPNATHJI(DR.RUPAK NATH)

रक्त-चाप के लिए (For blood pressure)

ॐ बं ह्रीं वज्रहस्तायै नमः । (इस मंत्र का जप करते समय मन और मस्तिष्क को शांत रखें)।

लक्ष्मी-स्थिरता के लिए मंत्र

लक्ष्मी देवी की स्थायी स्थिरता के लिए यंहा दो मंत्र दिये जा रहे हैं जिनके निरंतर जप से लक्ष्मी का घर में स्थायी निवास बना रहता है और कभी भी धन का अभाव महसूस नहीं होता।

मंत्रः- प्रथमः- ॐ स्थिरायै महायोगदा श्रीं श्रीं क्लीं अष्टलक्ष्म्यै नमः ।

द्वितीयः- ॐ नमः लक्ष्मी किलि-किलि हिलि-हिलि स्वाहा ।

उपरोक्त दोनों मंत्रों में प्रथम मंत्र वैदिक है और द्वितीय मंत्र साबर है। आधुनिक युग में यह प्रमाणित है कि वैदिक मंत्रों की अपेक्षा साबर मंत्र शीघ्र एवं अवश्यमेव फलदायी प्रमाणित हैं।

लकवा-रोग से मुक्ति हेतु मंत्र (paralysis)

ॐ क्लौं क्लोधिमतां स्वाहा।

DR.RUPNATHJI(DR.RUPAK NATH)